Dt. 5.8.24
Pg. 1 B+

Tender Heart High SCHOOL, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण अपठित गद्यांश, वचन

पुस्तक- वीवा हिंदी व्याकरण-8

प्यारे बच्चो! सुप्रभात।
आज हम कक्षा आठवीं की हिंदी व्याकरण की पुस्तक वीवा के पृष्ठ-186 पर दिए अपठित गद्यांश के विषय में पढ़ेंगे।

बच्चो! अपठित गद्यांश तो आपने अपनी पिछली कक्षाओं में भी पढ़े होंगे लेकिन अब हम इसके बारे में और विस्तृत रूप से पढ़ेंगे। सब बच्चे अपनी पुस्तक और अभ्यास-पुस्तिका खोलकर रख लें और पढ़ने के लिए तैयार हो जाएँ। मैं आपसे पढ़ाते समय कुछ प्रश्न पूछती जाऊँगी।

बच्चो! अपठित का अर्थ है जो पहले न पढ़ा गया हो। गद्यांश का अर्थ गद्य का अंश या हिस्सा। अपठित गद्यांश पाठ्यपुस्तक से नहीं लिए जाते हैं। ऐसे गद्यांश प्राय: अन्य पुस्तकों और पत्रिकाओं से से लिया जाता है। इसके अभ्यास से विद्यार्थियों के बौद्धिक स्तर, भावग्रहण-शक्ति एवं सामान्य ज्ञान में वृद्धि होती है। इसके द्वारा विद्यार्थी की रचनात्मक प्रतिभा में निखार आता है। अपठित गद्यांशों का चुनाव अधिकतर इस आधार पर किया जाता है कि वे शिक्षाप्रद हों, उनसे जीवन के विविध आयामों की शिक्षा मिलती हो। इनको पढ़कर बालकों का बहुमुखी ज्ञान बढ़ता है। जब वे निबंध आदि रचनात्मक कार्य करते हैं तो यह ज्ञान

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (अपठित गद्यांश) वचन

उनके लेखन को रोचक एवं प्रभावोत्पादक बनाता है।

प्यारे बच्चो! अब मैं आपको अपठित गद्यांश से संबंधित कुछ ध्यान देने योग्य बातें बता रही हूँ, ध्यान से सुनें।

* गद्यांश को सबसे पहले तीन-चार बार पढ़ना चाहिए।
* मूल भावों, विचारों को तथा शब्दों को रेखांकित कर लेना चाहिए।
* सभी प्रश्नों के उत्तर सरल और संक्षिप्त होने चाहिए।
* सभी प्रश्नों के उत्तर प्रसंगानुकूल होने चाहिए। अनावश्यक शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। प्रश्न जितना पूछा जाए, उत्तर भी उतना ही होना चाहिए।
* यदि गद्यांश का शीर्षक भी पूछा गया हो तो शीर्षक गद्यांश के आरंभ में या अंत में छिपा होता है। शीर्षक संक्षिप्त एक या दो शब्दों में ही देना चाहिए।

बच्चो! अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूँगी।

प्रश्न 1. अपठित गद्यांश का क्या अर्थ है?
प्रश्न 2. अपठित गद्यांश को कितनी बार और किस प्रकार पढ़ना चाहिए?
प्रश्न 3. अपठित गद्यांश में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर किस प्रकार लिखने चाहिए?

के उत्तर लिख लिए होंगे। पूछे गए प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं :-

उत्तर-1 ऐसा गद्यांश जो पहले न पढ़ा गया हो, वह अपठित गद्यांश कहलाता है।

Scanned with CamScanner

DATE 5.8.24
PAGE No. 3

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (अपठित गद्यांश) वचन

उत्तर-2. अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक कम-से-कम दो-तीन बार पढ़ना चाहिए।
उत्तर-3. सभी पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रसंगानुकूल होने चाहिए। प्रश्न जितना पूछा जाए उत्तर भी उतना ही होना चाहिए।

बच्चो! अब मैं आपको एक अपठित गद्यांश पढ़कर सुनाऊँगी। सब बच्चे ध्यान पूर्वक बैठें और सुनें। प्रश्नों के उत्तर लिखने का प्रयास करेंगे।

साहस की ज़िंदगी सबसे बड़ी ज़िंदगी होती है। ऐसी जिंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिलकुल बेख़ौफ़ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं। जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना, यह साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं।

अर्नाल्ड बेनेट ने लिखा है कि जो आदमी यह महसूस करता है कि किसी महान निश्चय के समय वह साहस से काम नहीं ले सका, ज़िंदगी की चुनौती को क़बूल नहीं कर सका, वह सुखी नहीं हो सकता। बड़े मौके पर साहस नहीं दिखाने वाला आदमी बराबर अपनी आत्मा के भीतर एक आवाज़ सुनता रहता है।

(पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner

DATE 5.8.24
PAGE No. 4

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (अपठित गद्यांश) वचन

एक ऐसी आवाज़ जिसे वही सुन सकता है और जिसे वह रोक भी नहीं सकता। यह आवाज़ उसे बराबर कहती रहती है, तुम साहस नहीं दिखा सके, तुम कायर की तरह भाग खड़े हुए हो।

इस प्रकार अब मैं कुछ प्रश्न पूछूँगी। इन प्रश्नों का उत्तर आप अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखोगे।

प्रश्न (क) साहस की ज़िंदगी जीने वालों की क्या विशेषता होती है?
प्रश्न (ख) साहसी मनुष्य की पहली पहचान क्या है?
प्रश्न (ग) अनल्ड बेनेट के अनुसार कौन सुखी नहीं रह सकता?
प्रश्न (घ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दें।

आशा है सब बच्चों ने पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख लिए होंगे। इन पूछे गए प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं :-

उत्तर (क) साहस की जिंदगी जीने वालों की यह विशेषता होती है कि वे बिल्कुल निडर, बेखौफ़ होते हैं। वे दुनिया की परवाह नहीं करते हैं। वे संसार में अपनी नई पहचान बनाते हैं।

उत्तर (ख) साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखनेवाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं। इस प्रकार जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है।

Scanned with CamScanner

DATE 5.8.24
PAGE No. 5

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (अपठित गद्यांश) वचन

उत्तर(ग) अर्नाल्ड बेनेट के अनुसार जो आदमी यह महसूस करता है कि किसी महान निश्चय के समय वह साहस से काम नहीं ले सका, जिंदगी की चुनौती को क़बूल नहीं कर सका, वह सुखी नहीं रह सकता।

उत्तर(घ) 'साहस' इस गद्यांश का शीर्षक है।

गद्यांश में आए कुछ कठिन शब्दों अर्थ :-

(i) बेख़ौफ़ - निडर (ii) जनमत - लोगों का मत (राय)
(iii) उपेक्षा - तिरस्कार (iv) मद्धिम - धीमी (v) क़बूल - स्वीकार
(vi) कायर - डरपोक

प्यारे बच्चो! अब मैं आपको गृहकार्य करने को दे रही हूँ। आप सब इस कार्य को अपनी व्याकरण की अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

गृहकार्य :- सब बच्चे अपनी व्याकरण की पुस्तक में पृष्ठ 188 पर दिए अपठित गद्यांश (1. एक बार - - - - - - नहीं हरा सकता।) को ध्यानपूर्वक पढ़ेंगे और प्रश्नों के उत्तर अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

निर्देश :- सब बच्चे अपने अभिभावकों की मदद से कार्य पूर्ण करें।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-5)

Scanned with CamScanner

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा- आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (वचन पृष्ठ-70-73) 'गाय से वस्तुएँ', 'अपठित गद्यांश'
पुस्तक- वीवा हिंदी व्याकरण-8

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम 'वचन' के संबंध में पढ़ेंगे। यह विषय आपकी हिंदी व्याकरण की पुस्तक वीवा के पृष्ठ 70 पर दिया गया है। सब बच्चे 'वचन' बदलना नियमों के अनुसार सीखेंगे। पहले हम इसकी परिभाषा और पहचान के विषय मेंजान लेते हैं।

परिभाषा :- शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध हो, उसे वचन कहते हैं। 'वचन' शब्द का प्रयोग किसी के द्वारा कहे गए वाक्यों या बोलने के लिए किया जाता है। जैसे- अहिंसा परम धर्म है, ये गांधी जी के वचन हैं, परन्तु व्याकरण में 'वचन' शब्द का प्रयोग इन दोनों में अलग 'संख्या' का बोध कराने के लिए होता है; जैसे- लड़का पढ़ रहा है। लड़के पढ़ रहे हैं।

वचन के दो भेद होते हैं।

1. एकवचन 2. बहुवचन।

1. एकवचन :- शब्द के जिस रूप से उसके एक व्यक्ति, वस्तु, प्राणी या स्थान होने का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं।

उदाहरण - चूहा, रस्सी, केला, मूर्ति, लड़की आदि।

2. बहुवचन :- शब्द के जिस रूप से उसके एक से अधिक होने का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं।

उदाहरण- चूहे, रस्सियाँ, केले, मूर्तियाँ, लड़कियाँ आदि।

वचन की पहचान :- 1. संज्ञा, सर्वनाम शब्दों के द्वारा:
मैं आठवीं कक्षा में पढ़ता हूँ।
अध्यापिकाएँ बच्चों को नृत्य सिखा रही हैं।

क्रिया के द्वारा :- मज़दूर काम कर रहा है।
मज़दूर काम कर रहे हैं।

Scanned with CamScanner

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिन्दी व्याकरण ('वचन' 'गाय से वस्तुएँ'), 'अपठित गद्यांश'

एक वचन के स्थान पर बहुवचन का प्रयोग :- हिंदी में कभी-कभी एकवचन के स्थान पर बहुवचन का प्रयोग भी किया जाता है।

- आदर तथा सम्मान के अर्थ में एकवचन के स्थान पर बहुवचन का प्रयोग किया जाता है। उदाहरण :- (क) पिताजी सो रहे हैं। (ख) मंत्रीजी आए हैं। (ग) प्रेमचंद एक महान लेखक थे।
- कभी-कभी बड़प्पन दर्शाने के लिए 'मैं' के स्थान पर 'हम' का प्रयोग किया जाता है। उदाहरण :- नेताजी बोले, "अभी हम एक सभा को संबोधित करने जा रहे हैं।"

बच्चो, कुछ शब्द ऐसे होते हैं जो सदैव एकवचन में ही प्रयोग किए जाते हैं; जैसे :-

* धातु पदार्थों का ज्ञान कराने वाली जातिवाचक संज्ञाएँ - सोना, चाँदी, ताँबा, लोहा, घी, पीतल आदि।
* भाववाचक संज्ञाएँ :- प्रेम, करुणा, कृपा, घृणा, दया, क्रोध, मिठास, खटास, अपनापन आदि।
* समूहवाची संज्ञाएँ :- कक्षा, गुच्छा, भीड़, सेना, सभा, मंडली, गण, वृंद, निगम, कमेटी आदि।

वचन परिवर्तन संबंधी कुछ नियम :-

1. अकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'अ' के स्थान पर 'एँ' लगाकर

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
गाय	गायें, गाएँ	टाँग	टाँगें
रात	रातें	बाँह	बाँहें
भैंस	भैंसें	झील	झीलें
पुस्तक	पुस्तकें	बात	बातें

Scanned with CamScanner

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण ('वचन' 'गाय से वस्तुएँ') 'अपठित गद्यांश'

2. आकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'आ' के बाद 'एँ' लगाकर

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
कथा	कथाएँ	गाथा	गाथाएँ
छात्रा	छात्राएँ	माला	मालाएँ
घटना	घटनाएँ	कविता	कविताएँ
कन्या	कन्याएँ	पाठशाला	पाठशालाएँ

3. आकारांत पुल्लिंग शब्दों के अंत में 'आ' के स्थान पर 'ए' लगाकर

बेटा	बेटे	तोता	तोते
पंखा	पंखे	भेड़िया	भेड़िए
लड़का	लड़के	लोटा	लोटे
केला	केले	संतरा	संतरे
किस्सा	किस्से	बकरा	बकरे

4. इकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'याँ' लगाकर

लिपि	लिपियाँ	जाति	जातियाँ
राशि	राशियाँ	विधि	विधियाँ
पंक्ति	पंक्तियाँ	तिथि	तिथियाँ
रीति	रीतियाँ	समिति	समितियाँ

5. ईकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'याँ' लगाने पर अंतिम 'ई' को 'इ' करके

गाड़ी	गाड़ियाँ	थाली	थालियाँ
लड़की	लड़कियाँ	देवी	देवियाँ
पोथी	पोथियाँ	मछली	मछलियाँ
रोटी	रोटियाँ	नदी	नदियाँ
खिड़की	खिड़कियाँ	साड़ी	साड़ियाँ

Scanned with CamScanner

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण ('वचन' 'गाय से वस्तुएँ'),
'अपठित गद्यांश'

6. उकारांत / ऊकारांत स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'एँ' लगने पर अंतिम 'ऊ' को 'उ' करके

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
बहू	बहुएँ	धेनु	धेनुएँ
ऋतु	ऋतुएँ	वस्तु	वस्तुएँ

बच्चो! आपको अपठित गद्यांश और वचन करा दिए गए हैं। आशा है आप इनसे अच्छे से परीचित हो गए होंगे। अब आपको गृहकार्य दिया जा रहा है।

गृहकार्य:-

सब बच्चे कराए गए कार्य को अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे और याद करेंगे।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-4)

Scanned with CamScanner